वर्ष :-2 अंक:-17 11, फरवरी,2026 बुधवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

अतिक्रमण से कराह रहा बिहारशरीफ, नगर निगम और प्रशासन की कार्रवाई बेअसर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शहर में बढ़ते अतिक्रमण के आगे नगर निगम और जिला प्रशासन की कार्रवाई नाकाफी साबित हो रही है। बिहारशरीफ को अतिक्रमण मुक्त बनाने का सपना वर्षों से अधूरा है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर अभियान जरूर चलाया जाता है, लेकिन यह अभियान कुछ ही दिनों में दम तोड़ देता है और हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं।

हाल ही में अस्पताल मोड़, आलमगंज, पुलपर और भरावपर,लहेरी मोहल्ला इलाके में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था, लेकिन महज एक महीने के भीतर सड़कों पर दोबारा फुटपाथियों और दुकानदारों का कब्जा हो गया। इन इलाकों में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। परीक्षा के मौजूदा माहौल में जाम के कारण कई छात्रों के परीक्षा केंद्र तक समय पर नहीं पहुंच पाने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन और नगर निगम केवल औपचारिकता निभाते हैं। शहर में रोजाना जाम की समस्या बनी रहती है, बावजूद इसके यातायात पुलिस की सक्रियता नजर नहीं आती। लोगों का यह भी कहना है कि सड़क किनारे बेतरतीब खड़े पुलिस और प्रशासनिक वाहन खुद जाम का कारण बनते हैं। यातायात नियमों को लेकर आम लोगों पर सख्ती दिखाने वाली पुलिस अपने ही विभागीय वाहनों की अनदेखी करती है।

बाजार समिति में करोड़ों रुपये की लागत से एयरकंडीशन्ड मछली बाजार बनने के बावजूद नाला रोड-रामचंद्रपुर मार्ग पर प्रतिदिन सड़क किनारे मछली मंडी लगना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

इधर, भैंसासुर-कचहरी मार्ग पर पिछले छह महीनों से सिवरेज कार्य के नाम पर गड्ढा खोद दिया गया है, जिससे आवागमन बाधित है। यह मार्ग कचहरी, समाहरणालय और रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। नागरिकों का कहना है कि जब बड़े पुल और सड़कें महीनों में बन जाती हैं, तो फिर नगर निगम क्षेत्र में वर्षों से सिवरेज कार्य अधूरा क्यों है—यह प्रशासन की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

नालंदा में तीन मामलों में बड़ा न्यायिक फैसला, दोषियों को आजीवन व लंबी सजा

अखिलेंद्र कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में मंगलवार को अलग-अलग थाना कांडों में न्यायालयों ने सख्त और अहम फैसले सुनाते हुए गंभीर अपराधों में दोषियों को कठोर सजाएं दीं। इन फैसलों से अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता का स्पष्ट संदेश गया है।

लहेरी थाना कांड संख्या 520/22 में माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-04, बिहारशरीफ ने अभियुक्त श्रवण कुमार उर्फ राज और मो. सन्नी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 06 के तहत दोषी ठहराया। न्यायालय ने दोनों को आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त अनैतिक देह व्यापार एवं अवैध मानव यातायात अधिनियम के तहत दोनों को 10 वर्ष का कारावास एवं अर्थदंड दिया गया, जिसे न चुकाने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

हिलसा थाना कांड संख्या 255/2022 में माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-01, हिलसा ने चारों अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302/149 के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और प्रत्येक पर 50 हजार रुपये अर्थदंड लगाया। साथ ही धारा 147 में एक वर्ष, धारा 148 में दो वर्ष कारावास की सजा दी गई। आर्म्स अधिनियम के तहत अभियुक्त सुरेंद्र प्रसाद को तीन वर्ष कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई।वहीं खुदागंज थाना कांड संख्या 44/16 (धारा 366ए, 376(2) भारतीय दंड संहिता एवं 04/06 पॉक्सो अधिनियम) में माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-07, बिहारशरीफ ने अभियुक्त दुर्गेश साव को पॉक्सो अधिनियम की धारा 04/06 में दोषी ठहराया। न्यायालय ने उसे 20 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा दी। अर्थदंड न देने पर छह माह अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

इन फैसलों से जिले में कानून व्यवस्था को लेकर न्यायपालिका की सख्ती स्पष्ट हुई है।

मॉडल सदर अस्पताल से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरुआत, 18 लाख लक्ष्य

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारंभ मंगलवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने मॉडल सदर अस्पताल, बिहारशरीफ में बच्चों को दवा खिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोकी जा सकने वाली बीमारी है। इसके उन्मूलन के लिए सभी पात्र व्यक्तियों का दवा सेवन करना अत्यंत आवश्यक है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिले के 11 प्रखंडों में 10 फरवरी से 24 फरवरी तक घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का अभियान चलाया जाएगा। वहीं 25 फरवरी से 27 फरवरी तक विद्यालयों, कार्यालयों, अस्पतालों, बस अड्डों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दवावितरण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 11 फरवरी को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर मेगा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से जिले के 18 लाख से अधिक लाभार्थियों को दवा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उन्होंने जानकारी दी कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है, जिससे बचाव के लिए वर्ष में एक बार निर्धारित दवा का सेवन अनिवार्य है। जिला पदाधिकारी ने आम लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के भ्रम या अफवाह में न आएं और आशा कार्यकर्ता तथा सहायक नर्स दाई द्वारा दी जा रही दवाओं का सेवन अवश्य करें। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और बीमारी से बचाव में प्रभावी है।कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया और लोगों से अभियान में सहयोग करने की अपील की।

15 साल बाद नालंदा में जनगणना की तैयारी तेज, 2026 में होगी आबादी की गणना

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। देश में 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद जनगणना की प्रक्रिया एक बार फिर शुरू होने जा रही है। वर्ष 2011 के बाद अब 2026 में जनगणना कराई जाएगी, जिसे भारत सरकार ने "जनगणना 2027" नाम दिया है। सरकार की ओर से आदेश जारी होते ही जिला प्रशासन स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं और जनगणना को लेकर गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जनगणना कार्य की जिम्मेदारी सांख्यिकी विभाग को सौंपी गई है, जबकि जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी के रूप में अपर समाहर्ता को नामित किया गया है। सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर संबंधित विभागों के बीच पत्राचार की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही जनगणना कार्य के लिए अलग-अलग स्तर पर टीमों का गठन भी किया जाएगा।जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक स्व-गणना (ऑनलाइन) की सुविधा दी जाएगी, जिसमें आम नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। दूसरे चरण में 2 मई से 31 मई 2026 तक जिला प्रशासन द्वारा तैनात कर्मी घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे और मकानों की सूची तैयार करेंगे।वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार Nalanda district की कुल आबादी 28,77,653 थी। इसमें शहरी आबादी 15.91 प्रतिशत और ग्रामीण आबादी 84.09 प्रतिशत दर्ज की गई थी। लंबे समय बाद जनगणना होने के कारण इस बार व्यापक तैयारी की जा रही है। 2026 की जनगणना में जनसंख्या के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकड़े भी जुटाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार में हाल ही में कराई गई जाति-आधारित गणना के दौरान लगभग 6,698 प्रगणकों की तैनाती की गई थी और करीब छह लाख परिवारों का सर्वेक्षण किया गया था। उसी अनुभव के आधार पर इस बार भी प्रशासन जनगणना को सुचारु और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की तैयारी में जुटा है।

SAI BODHIT PVT. LTD.

बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।

SHRIEJAN HEIGHTS

कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।

LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF

चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....

APPROVED RERA APPROVED APPROVED

Project Registration Number
BRERAP192001011025250432E00

from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft

60%
Free Area

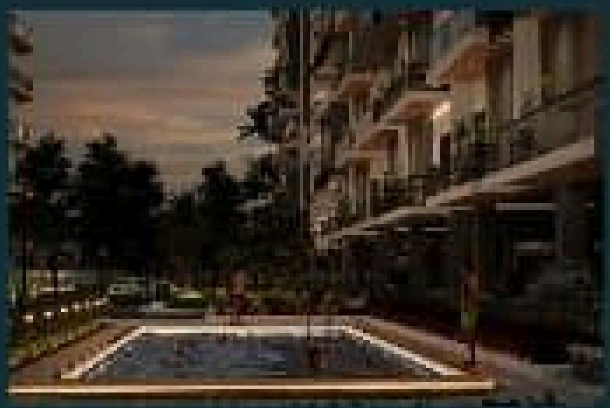

COMFORT, LUXURY
WELLNESS

Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking

Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004

Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)

Contact us today to book your site visit!

ग्रामीण रोजगार को नई दिशा देगा विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन

अखिलेंद्र कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। उप विकास आयुक्त शुभम कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को नालंदा में विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 को लेकर एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने बताया कि यह मिशन ग्रामीण परिवारों को स्थायी रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका के सशक्त अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार प्रदान किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय सुरक्षा मजबूत होगी और रोजगार की तलाश में होने वाले पलायन पर प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि यह मिशन केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना के विकास तथा किसानों की उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष रूप से केंद्रित है। उप विकास आयुक्त ने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत आधार आधारित पंजीकरण व्यवस्था लागू की जाएगी तथा मजदूरी का भुगतान सीधे खाते में किया जाएगा। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह मिशन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से आगे बढ़ते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य करेगा।उन्होंने यह भी बताया कि विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से नालंदा जिले के मजदूरों, किसानों और जीविका समूहों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और जीवन स्तर में सुधार होगा।

प्रेस वार्ता के दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, ग्रामीण विकास अभिकरण के निदेशक, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी सहित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

एफआरके उपलब्धता बढ़ी, सीएमआर आपूर्ति में तेजी, डीएम ने त्वरित भुगतान के निर्देश दिए

अखिलेंद्र कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से अधिप्राप्त धान, राज्य खाद्य निगम के संग्रहण केंद्रों पर हस्तगत कराए गए सीएमआर तथा जिले में एफआरके की उपलब्धता को लेकर सोमवार को समाहरणालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुन्दन कुमार ने की।

बैठक में राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक ने बताया कि नालंदा जिले के लिए कुल पाँच एजेंसियों को एफआरके आपूर्तिकर्ता के रूप में संबद्ध किया गया है। इसके बावजूद पूर्व में एफआरके की कमी बनी हुई थी। जिला पदाधिकारी के अनुरोध एवं विभागीय पत्राचार के बाद अब जिले को एफआरके की आपूर्ति कराई गई है, जिससे धान मिलों द्वारा सीएमआर हस्तगत कराने की प्रक्रिया में तेजी आई है।हालांकि अरवा मिलों के लिए एफआरके की कमी के कारण अरवा सीएमआर आपूर्ति कीगति अभी भी अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। इस संबंध में निगम मुख्यालय से पत्राचार तथा दूरभाष के माध्यम से शीघ्र एफआरके उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि जिला पदाधिकारी द्वारा लगातार की जा रही समीक्षा का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। धान अधिप्राप्ति के साथ-साथ मिलों द्वारा सीएमआर आपूर्ति की प्रगति में भी सुधार हुआ है।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी तथा राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक को निर्देश दिया कि किसानों से अधिप्राप्त धान तथा उसके समतुल्य निगम को हस्तगत कराए गए सीएमआर एवं अग्रिम सीएमआर के विरुद्ध धान तीन दिनों के भीतर मिलों को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही किसानों से क्रय किए गए धान का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एफआरके की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं से समन्वय स्थापित करने को भी कहा गया।

समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिंद पुलिस की सख्ती, फरार अभियुक्तों के घरों पर कुर्की-जप्ती की कार्रवाई

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिंद थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और लंबे समय से फरार अभियुक्तों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से बिंद थाना पुलिस ने मंगलवार को दो अलग-अलग गांवों में कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई।

पहली कार्रवाई गोविंदपुर गांव में कांड संख्या 14/18 के अंतर्गत की गई। इस मामले में एक ही परिवार के तीन सदस्य लंबे समय से फरार चल रहे थे। फरार अभियुक्तों की पहचान गनौरी बिंद की पत्नी सोना देवी तथा उनके पुत्र विक्की कुमार और जितेंद्र कुमार के रूप में की गई है। न्यायालय द्वारा वारंट और इश्तेहार जारी होने के बावजूद अभियुक्तों के आत्मसमर्पण नहीं करने पर पुलिस ने उनके घर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्की की। इस दौरान घर की चौखट, किवाड़ सहित अन्य घरेलू सामान जब्त कर थाने लाया गया।दूसरी कार्रवाई ग्राम सदरपुर में कांड संख्या 72/09 के तहत की गई। यह मामला वर्ष 2009 से जुड़ा है, जिसमें अभियुक्त पिछले लगभग 15 वर्षों से फरार था। फरार अभियुक्त की पहचान जगदीश साव के पुत्र अशोक साव के रूप में हुई है। पुलिस ने न्यायालय के आदेशानुसार उसके घर पर कुर्की की कार्रवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई माननीय न्यायालय के आदेश के आलोक में की गई है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपराध कर कानून से भाग रहे हैं, उनके लिए यह कड़ा संदेश है। ऐसे अभियुक्त या तो न्यायालय में आत्मसमर्पण करें, अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जब्त किए गए सभी सामानों की सूची तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत की जा रही है।

संत पॉऊल इंग्लिश स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को भावपूर्ण विदाई दी गई

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड के सरथा स्थित संत पॉऊल इंग्लिश स्कूल में मंगलवार को कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक भावपूर्ण एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करना रहा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन के अनुभव साझा किए और साथ बिताए गए पलों को याद करते हुए भावनात्मक संदेश दिए, जिससे वातावरण भावुक और यादगार बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक बीणा बीजू के संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम, अनुशासन और ईमानदारी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, समय का सदुपयोग करने तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बेहतर अंक प्राप्त करने वालों में ख़ुशी वर्मा (93.83 प्रतिशत), सत्यम झा (92.33 प्रतिशत), प्रणीता भारती (91.66 प्रतिशत), शिवय झा (90.16 प्रतिशत) तथा स्नेहा कुमारी (90 प्रतिशत) शामिल रहीं। वहीं शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए पूजा, लक्ष्मी, आयुषी, आयुष, प्रियांशु, सावरी, दिव्या, खुशी सहित कुल 16 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विद्यालय प्रशासन ने बताया कि कक्षा दसवीं के चार वर्गों से कुल 193 छात्र-छात्राएं इस वर्ष माध्यमिक परीक्षा में सम्मिलित होंगे। समारोह के दौरान कनिष्ठ छात्रों द्वारा विदाई गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बीजू थॉमस, शारीरिक शिक्षक दिनेश कुमार, वर्ग शिक्षक प्रभाकर, मनोज, उत्तम, नवीन सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय पैरा खेल में रजत पदक विजेता सार्थक राज का विद्यालय में हुआ सम्मान

हरनौत (अपना नालंदा)।राज्य स्तरीय पैरा खेल प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले पैरा एथलीट सार्थक राज को संत पॉऊल इंग्लिश स्कूल में सम्मानित किया गया। सार्थक इसी विद्यालय के कक्षा प्रथम के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में विद्यालय के प्राचार्य बीजू थॉमस, डायरेक्टर वीणा बीजू, शारीरिक शिक्षा शिक्षक दिनेश कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने सार्थक को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद सार्थक ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।शिक्षकों ने सार्थक के संघर्ष, लगन और निरंतर अभ्यास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, सार्थक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, प्रशिक्षकों और विद्यालय परिवार को दिया।गौरतलब है कि इससे पूर्व वर्ष 2024–25 में ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय पैरा खेल प्रतियोगिता में भी सार्थक राज ने स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया था। इस उपलब्धि के लिए उन्हें बिहार सरकार द्वारा खेल सम्मान के साथ एक लाख रुपये की नगद राशि प्रदान की गई थी। साथ ही 26 जनवरी 2025 को राजभवन, पटना में आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया था।

सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद की 35वीं पुणण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बिरजू कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सहकारिता आंदोलन के अग्रणी नेता एवं अस्थावां विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद की 35वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अस्थावां स्थित अयोध्या प्रसाद स्मृति सदन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्थावां के वर्तमान विधायक जितेन्द्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर बिहारशरीफ के पूर्व विधायक पप्पू खां स्मृति सदन पहुंचे और स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय अयोध्या बाबू सहकारिता, सामाजिक न्याय और जनसेवा के प्रतीक थे। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और जनहित के प्रति समर्पण की मिसाल है, जिससे आज भी नई पीढ़ी प्रेरणा लेती है।विधायक जितेन्द्र कुमार ने भी स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद के योगदान को याद करते हुए कहा कि अस्थावां के विकास और सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने जनता के बीच रहते हुए जनसमस्याओं के समाधान को अपनी प्राथमिकता बनाया और यही कारण है कि आज भी लोग उन्हें आदर और सम्मान के साथ स्मरण करते हैं।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सत्तारूढ़ दल के नेताओं के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद के चाहने वाले उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

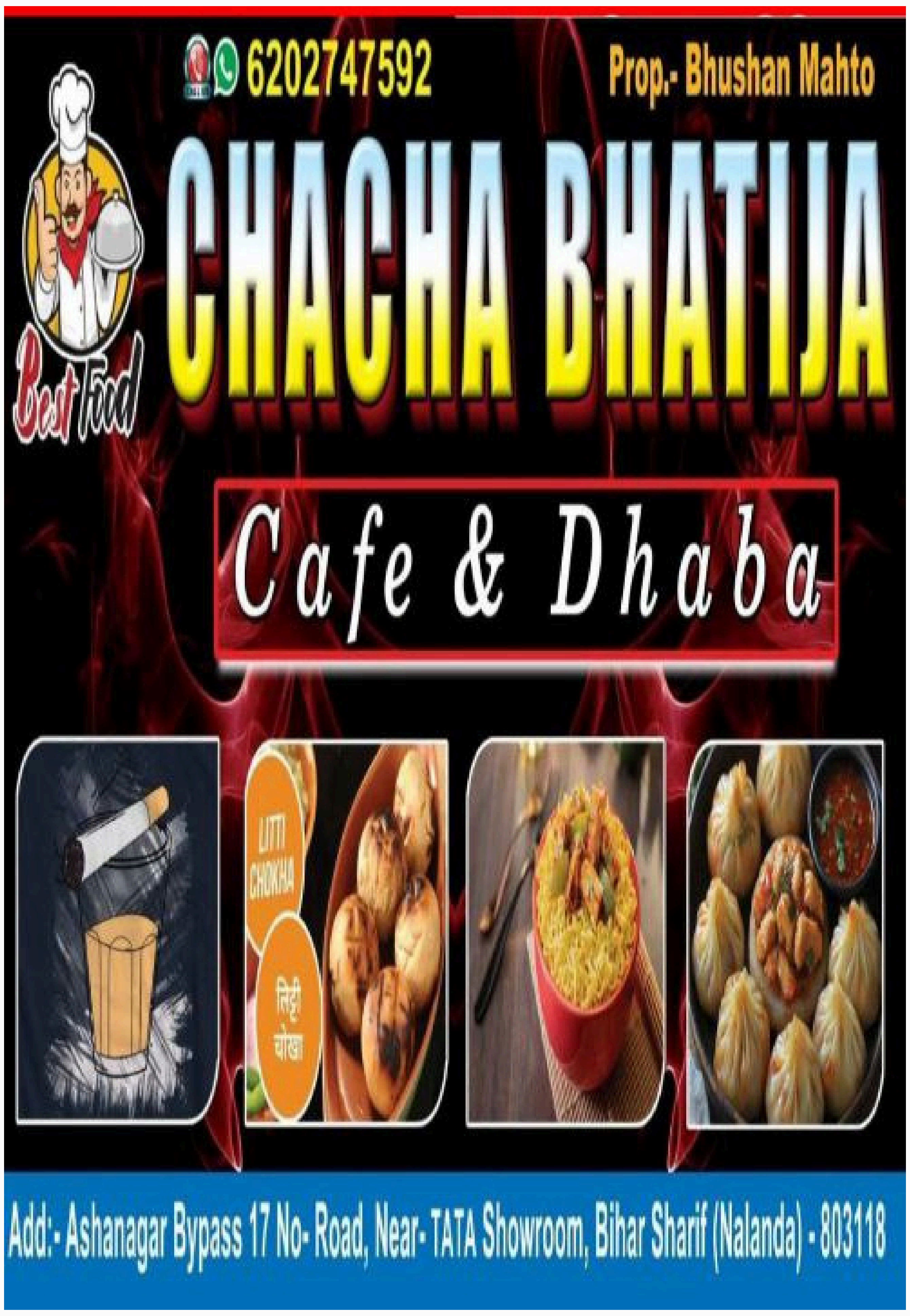

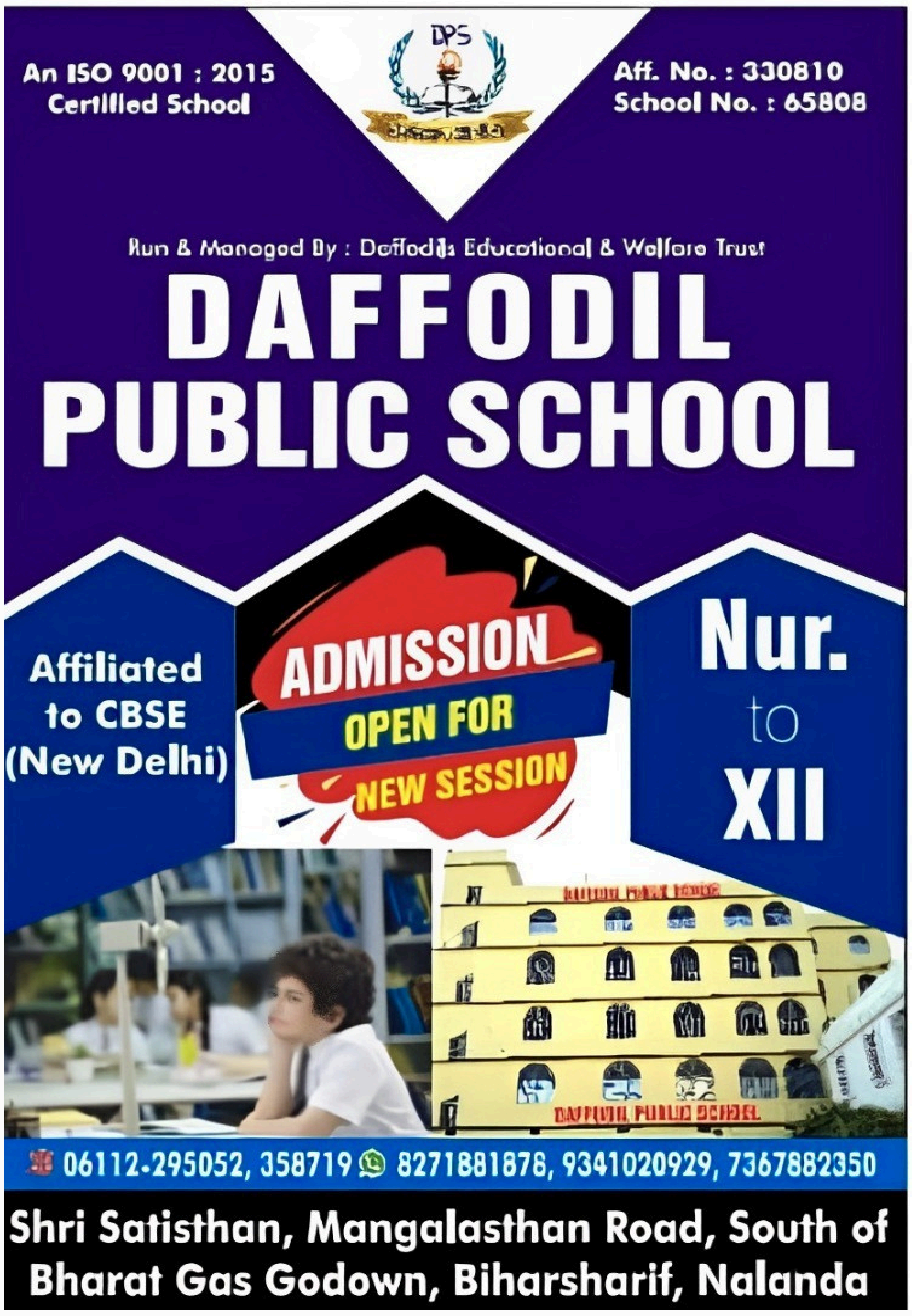

माता सुशीला नर्सिंग संस्थान के जीएनएम छात्रों नें सुधा डेयरी का शैक्षणिक भ्रमण किया

संजय कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मंगलवार को माता सुशीला इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन (नर्सिंग) के तत्वावधान में जीएनएम पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग विषय से संबंधित एक अकादमिक औद्योगिक भ्रमण (एजुकेशनल टूर) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने सुधा डेयरी प्लांट, बिहारशरीफ का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस अकादमिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दुग्ध उत्पादन की प्रक्रिया, स्वच्छता मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण तथा सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े औद्योगिक पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने दूध संग्रहण से लेकर पैकेजिंग तक की संपूर्ण प्रक्रिया को नजदीक से देखा और समझा। साथ ही, डेयरी उद्योग में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, स्वच्छता प्रबंधन, गुणवत्ता परीक्षण एवं स्वास्थ्य-सुरक्षा मानकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर माता सुशीला इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन (नर्सिंग) के माननीय अध्यक्ष डॉ. अभिजीत गौतम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र एवं व्यावहारिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अनुभवों से छात्रों को वास्तविक कार्य-परिस्थितियों को समझने का अवसर मिलता है, जिससे वे सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग के महत्व को गहराई से आत्मसात कर पाते हैं।इस शैक्षणिक भ्रमण को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान प्रिंसिपल कुक्की सिंह, प्रियंका चौधरी, रानी स्तुति सिन्हा, प्रिंस कुमार, पम्मी कुमारी, श्रीनिवास माथुर, श्रिष्टी कुमारी, मौमिता दास एवं गौरव सिंह ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और पूरे भ्रमण के दौरान उन्हें सहयोग प्रदान

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत नालंदा कांग्रेस का जोरदार धरना, प्रस्तावित कानून का विरोध

अखिलेंद्र कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नालंदा जिला इकाई ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में मंगलवार को समाहरणालय अस्पताल चौक, बिहारशरीफ के समक्ष "मनरेगा बचाओ संग्राम" के तहत जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला ने किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लेते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरना के उपरांत कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित संशोधनों को तत्काल वापस लेने की मांग की।धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) देश के गरीबों और मजदूरों की जीवनरेखा है। यह योजना केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीब परिवारों को सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीने का अवसर देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित नए कानून में ऐसे प्रावधान हैं जो सीधेतौर पर मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं। मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने की कोशिश को उन्होंने देश की भावना और परंपरा के विरुद्ध बताया। साथ ही राज्यों की आर्थिक हिस्सेदारी 40 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे कमजोर राज्य समय पर राशि उपलब्ध नहीं करा पाएंगे, जिसका सीधा असर मजदूरों के रोजगार और भुगतान पर पड़ेगा।धरना में जमील असरफ जमाली, चिकित्सक डॉ. संजय पटेल, अनुज कुमार, मो. अशगर भारती, हैदर आलम, रमेश पासवान, किरानी पासवान, प्रो. फरहद जबीं, रामकेश्वर प्रसाद, निपेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार चंद्रवंशी, धनंजय पटेल, दिलीप कुमार सिन्हा, मो. इम्तियाज आलम (अधिवक्ता), रणधीर रंजन मंटू, भगवान प्रसाद अलबेला, सुरेंद्र सिंह, संजू पाण्डेय, सुलेखा देवी, रिंकू देवी, सुनीता देवी, रानी देवी, बच्चन सिंह चंद्रवंशी, कृष्णा प्रसाद, शाहनवाज हुसैन, कैलाश प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, राम नरेश शर्मा, डॉ. अवधेश, अनीता देवी, विद्यानंद कुमार, नीतू कुमारी सहित अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शहर से गांव तक संगठित होकर गरीब मजदूरों और शोषित वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

CR CLASSROOM POINT
BEST EDUCATION FOR BEST SCORE
VI | VII | VIII | IX | X (CBSE)
PRE NURTURE FOUNDATION FOR NTSE | OLYMPIAD | IJSO
Phy | Chem | Maths | Bio | Eng | SST
XI | XII (CBSE/BSEB)
JEE (Mains/Adv) & NEET
Phy | Chem | Maths | Bio | Eng
New Batch Announced for Class VI to X with foundation from
28 Jan
Session (2026-27)
Saraswati Puja & Republic Day Offer
FREE ADMISSION
Batch Time : 4:00 PM to 6:00 PM
Our Classroom Advantage :
Expert Faculty
Weekly Scholarship
Study Material
CCTV Campus
Weekly Test
Doubts Counter
Shri Laxmi Sudama Complex Khandakpar more, Bihar Sharif (803101)
+91 62028 19264
+91 95347 11704

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने लोकसभा में नालंदा विश्वविद्यालय को समावेशी बनाने की उठाई मांग

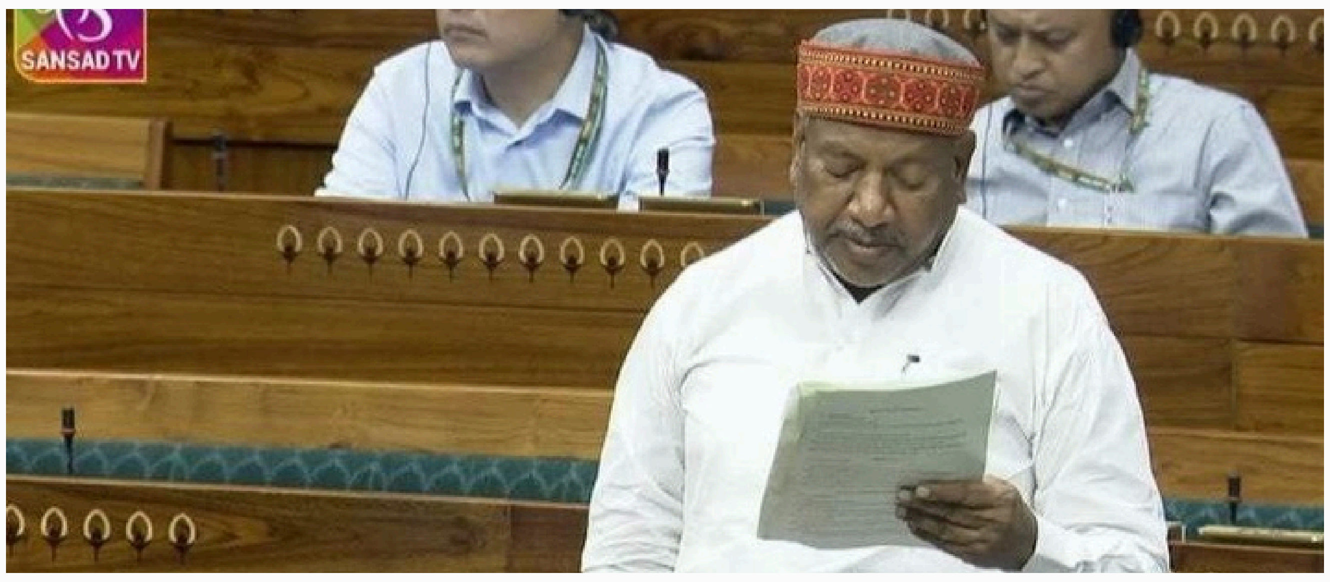

संजय कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा के माननीय लोकसभा सदस्य कौशलेंद्र कुमारने लोकसभा में नियम 377 के तहत नालंदा विश्वविद्यालय से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय भारत के गौरवशाली इतिहास, ज्ञान परंपरा और वैश्विक पहचान का प्रतीक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा स्थापित नए नालंदा यूनिवर्सिटी के निर्माण में बड़ी धनराशि खर्च की गई है और बिहार सरकार ने इसके लिए निःशुल्क भूमि भी उपलब्ध कराई है, लेकिन स्थापना के लगभग 12 वर्षों बाद भी विश्वविद्यालय में कुल विद्यार्थियों की संख्या 500 से कम है, जबकि बिहार से नामांकन लेने वाले छात्रों की संख्या 20 से भी कम बताई गई।

सांसद ने कहा कि विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप और विशिष्ट पहचान देने के नाम पर समावेशी शिक्षा की मूल भावना की उपेक्षा की जा रही है। समावेशी शिक्षा सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी होनी चाहिए, जिसमें स्थानीयता को भी प्राथमिकता मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय की ऊँची शुल्क संरचना और भारतीय छात्रों के लिए पर्याप्त छात्रवृत्ति के अभाव को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इससे कई योग्य छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने यह भी मांग की कि विदेश मंत्रालय के अधीन संचालित नालंदा विश्वविद्यालय में स्थानीय जरूरतों और समस्याओं के समाधान से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। साथ ही विश्वविद्यालय में होने वाली भर्तियों में नालंदा जिले के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाए। भारतीय छात्रों के लिए अधिक छात्रवृत्तियों का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी यहां अध्ययन कर सकें।

इसके अतिरिक्त सांसद ने विश्वविद्यालय को पर्यटन और जन-आकर्षण का केंद्र बताते हुए सुझाव दिया कि प्रतिदिन एक निश्चित समय के लिए पर्यटकों को परिसर के कुछ हिस्सों में प्रवेश की अनुमति दी जाए, जिससे लोगों का विश्वविद्यालय से जुड़ाव बढ़े और इसकी पहचान मजबूत हो।

अखिल विश्व गायत्री परिवार ने बड़गांव तालाब को स्वच्छ और हरित बनाने का लिया संकल्प

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल नालंदा स्थित बड़गांव तालाब के किनारे गायत्री मंदिर के समीप मंगलवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार, नालंदा के तत्वावधान में श्रमदान, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 40 कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंतर्गत बड़गांव तालाब के आसपास फैली गंदगी की साफ-सफाई की गई तथा तालाब के किनारे-किनारे पौधारोपण किया गया। लगाए गए पौधों की सुरक्षा हेतु बांस और मच्छरदानी से घेराबंदी की गई, ताकि पौधों का समुचित संरक्षण हो सके। यह अभियान अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण आंदोलनों से प्रेरित होकर संपन्न हुआ।इस अवसर पर जानकारी देते हुए पर्यावरण के सह संयोजक विनायक जी ने बताया कि यह स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान पूरे नालंदा जिले में नियमित रूप से साप्ताहिक रूप से चलाया जाएगा, जिससे आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके।

कार्यक्रम में उपस्थित नगर पंचायत नालंदा, सिलाव एवं राजगीर के पर्यावरण जागरूकता प्रतिनिधि एवं गायक भैया अजीत ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रमदान, स्वच्छता और वृक्षारोपण जैसे कार्य समाज और पर्यावरण के हित में हैं। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण ऑक्सीजन की कमी से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना और उसका संरक्षण करना चाहिए।

वरिष्ठ कार्यकर्ता अजय कुमार ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही पौधों की देखरेख के लिए स्थानीय लोगों के सहयोग से समिति का गठन किया जाएगा। इस अभियान में गायत्री जी, मिथिलेश कुमार विद्यार्थी, अनुज कुमार, देवानंद जी, सत्येंद्र जी सहित अन्य कार्यकर्ताओं का योगदान सराहनीय रहा।

नालंदा सीनियर क्रिकेट लीग में राजपुताना और गेटवे क्लब विजयी

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा सीनियर क्रिकेट लीग के ए डिवीजन में मंगलवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें राजपुताना क्लब और गेटवे क्लब ने शानदार जीत दर्ज की। पहला मुकाबला एनसीए मैदान पर राजपुताना क्लब और क्रांतिकारी क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजपुताना क्लब ने 35 ओवर में 8 विकेट पर विशाल 386 रन बनाए। टीम की ओर से कुश कुमार ने 14 छक्कों और 24 चौकों की मदद से जबरदस्त 192 रन की पारी खेली। अमृतांशु ने 73, आदित्य ने 43 और निर्मल ने 31 रन का योगदान दिया। क्रांतिकारी क्लब की ओर से मोहित ने तीन तथा रामवर्धन ने दो विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रांतिकारी क्लब की पूरी टीम 22 ओवर में 75 रन पर सिमट गई। टीम के लिए मोहित ने 16, रामवर्धन ने 14 और लकी ने 12 रन बनाए। राजपुताना क्लब की गेंदबाजी में मनीष राज ने पांच विकेट और शशि ने दो विकेट झटके। इस मुकाबले में कुश कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। अंपायर की भूमिका परवेज मुस्तफा पप्पू और संजय कुमार पिंटू ने निभाई।

दूसरा मुकाबला पावापुरी ग्राउंड पर गेटवे क्लब और स्टार क्लब के बीच खेला गया। गेटवे क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 280 रन बनाए। अर्णव किशोर ने शानदार शतक (100 रन) जड़ा, जबकि चंद्रशेखर ने 60 और सुजल ने 82 रन बनाए। स्टार क्लब के सिद्धार्थ ने दो और निराज ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टार क्लब 9 विकेट पर 183 रन ही बना सका। गेटवे की ओर से अंकित ने तीन और अभय ने दो विकेट लिए। अर्णव किशोर को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया।

निर्णायक की भूमिका अभिषेक और सैयद जावेद इकबाल ने निभाई। इस अवसर पर क्रिकेट एसोसिएशन आफ नालंदा के सचिव गोपाल कुमार सिंह, पूर्व सचिव सैयद मोहम्मद जावेद इकबाल, कोषाध्यक्ष मनोरंजन कुमार, संयुक्त सचिव संजीव कुमार सहित कई पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित

थरथरी प्रखंड में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान शुरू, 27 फरवरी तक चलेगा

थरथरी (अपना नालंदा)। राज्य सरकार द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत थरथरी प्रखंड में सामूहिक दवा सेवन अभियान का शुभारंभ मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थरथरी से किया गया। यह अभियान 27 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र के 80 हजार से अधिक लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक दवा पहुंचाई जा सके।

डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि अभियान के अंतर्गत एक से दो वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी, जबकि दो वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर, फाइलेरिया रोधी दवा के रूप में डीईसी टैबलेट और एल्बेंडाजोल की एकल खुराक खिलाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रखंड में 10 फरवरी से 27 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके लिए पूरे प्रखंड क्षेत्र में कुल 34 दवा वितरण केंद्र बनाए गए हैं। अभियान के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बनाए गए केंद्रों पर दवा प्रशासकों द्वारा लोगों को दवा खिलाई गई। वहीं 11 फरवरी से 27 फरवरी तक दवा प्रशासक घर-घर जाकर उन लोगों को दवा खिलाएंगे, जो पहले दिन दवा लेने से वंचित रह गए हैं।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गौरी कुमारी, वीसीएम सुभाषणी कुमारी, पिरामल संस्था के प्रतिनिधि सुजीत कुमार तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के कर्मी भी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया।

प्राथमिक विद्यालय कतरपुर में आयोजित तिथि भोज से बच्चों को मिला सामाजिक समरसता संदेश

आर संतोष भारती,कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कतरपुर में प्रधान शिक्षक धीरेंद्र प्रताप के नेतृत्व में तिथि भोज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सामाजिक समरसता, सहयोग और आपसी भाईचारे की भावना को विकसित करना था। साथ ही, एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच सामूहिक परिवार एवं सामुदायिक जीवन के महत्व को बच्चों के मन में स्थापित करना भी कार्यक्रम का लक्ष्य रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्याह्न भोजन योजना के प्रखंड साधन सेवी संतोष कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय शिक्षा समिति की अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य रीना देवी, समिति की सचिव किरण देवी सहित अन्य समिति सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। तिथि भोज के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया।इस अवसर पर नियमित मध्याह्न भोजन के मेनू से अलग बच्चों को पोषणयुक्त एवं संतुलित भोजन थाली में परोसा गया। भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और व्यवस्था की उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संतोष कुमार एवं अजय प्रसाद ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा इस प्रकार की पहल बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों, समानता और सामूहिकता की भावना को भी मजबूत करती है।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसमें श्रीकांत प्रसाद सिन्हा, रेखा कुमारी, निशा कुमारी, सरोज देवी, विद्या देवी एवं शशि रंजन का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विद्यालय परिवार के प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया।

ग्रामीण प्रतिभा की उड़ान: झंडू कुमार का हरनौत में हुआ भव्य स्वागत

हरनौत (अपना नालंदा)। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर अपनी पहचान बनाने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार की सफलता आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। करीब एक वर्ष बाद अपने गृह क्षेत्र हरनौत लौटने पर उनका भव्य और भावपूर्ण स्वागत किया गया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने नगर भ्रमण के दौरान उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर बिहार पैरा स्पोर्ट्स संगठन के अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिन्हा ने कहा कि झंडू कुमार जैसे खिलाड़ी यह सिद्ध करते हैं कि संसाधनों की कमी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि झंडू ने कठिन परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास के बल पर न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है।

द रॉक स्टार जिम के संस्थापक गौतम सिंह के मार्गदर्शन में वर्ष 2020 से प्रशिक्षण लेकर झंडू कुमार ने अपने खेल जीवन को नई दिशा दी। उन्होंने वर्ष 2019 में पावरलिफ्टिंग की शुरुआत की। वर्ष 2020 में 135 किलोग्राम भार उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके बाद वर्ष 2024 में 180 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2025 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 205 किलोग्राम भार उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया और अगले ही दिन 206 किलोग्राम उठाकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने वर्ष 1973 से चला आ रहा पुराना रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया।

वर्तमान में झंडू कुमार एशियाई स्तर पर प्रथम स्थान पर हैं, राष्ट्रमंडल स्तर पर विश्व रैंकिंग में शामिल हैं और खेलो इंडिया प्रतियोगिता में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी बन चुके हैं।अपने स्वागत समारोह में झंडू कुमार ने कहा कि जो बच्चे धैर्य और पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ते हैं, सफलता अवश्य मिलती है। वहीं गौतम सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन और सुविधाओं की है।इस मौके पर नालंदा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव कुंदन कुमार पांडे, बिहार पैरा स्पोर्ट्स संगठन के अध्यक्ष डॉ. शिवाजी कुमार और सचिव संदीप कुमार पांडे ने भी झंडू कुमार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया।

जीविका निधि ऋण नीति पर नालंदा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हरनौत (अपना नालंदा)।जीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सरल एवं सुलभ ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड की ऋण नीति पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन नालंदा जिले में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ जिला परियोजना प्रबंधक संजय प्रसाद पासवान, IBCB प्रबंधक रामपुकार प्रसाद, प्रबंधक सामुदायिक वित्त सुदामा प्रसाद, MF शिवशंकर प्रसाद, TO शिवशंकर कुमार एवं AC ज्ञानेन्द्र राकेश सहित अन्य जीविका कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।कार्यशाला में जिले में कार्यरत सभी जीविका परियोजना कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान ऋण प्रशासन, पात्रता मानदंड तथा डिजिटल प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रबंधक सामुदायिक वित्त सुदामा प्रसाद ने जीविका निधि पर प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि महिलाओं को जीविकोपार्जन हेतु तीन प्रकार के ऋण उपलब्धकराए जाएंगे—अल्पकालिक ऋण ₹15,000 तक, सूक्ष्म ऋण ₹15,000 से अधिक एवं ₹75,000 तक तथा लघु ऋण ₹75,000 से अधिक एवं ₹2,00,000 तक।उन्होंने बताया कि वर्तमान में सभी ऋणों पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर लागू रहेगी। ऋण अवधि अल्पकालिक के लिए अधिकतम 12 माह, सूक्ष्म ऋण के लिए 24 माह एवं लघु ऋण के लिए 36 माह निर्धारित है। ऋण आवेदन से लेकर वितरण और वापसी की प्रक्रिया जीविका निधि मोबाइल ऐप के माध्यम से पूरी तरह डिजिटल होगी।जिला परियोजना प्रबंधक संजय प्रसाद पासवान ने कहा कि जीविका निधि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत माध्यम है। कार्यशाला में राज्य कार्यालय एवं जीविका निधि के पदाधिकारियों ने बैंक संचालन, नियमों एवं ऐप उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सभी प्रखंडों के परियोजना प्रबंधक, समन्वयक, लेखापाल एवं अन्य कर्मियों ने भाग लिया।

हिलसा थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद, मारपीट में महिला घायल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत काबा पंचायत के बलभद्रसराय गांव में पारिवारिक विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक महिला घायल हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल महिला को हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।घायल महिला की पहचान काबा पंचायत के बलभद्रसराय गांव निवासी सरवन कुमार की पत्नी कलावती के रूप में की गई है। महिला ने इलाज के दौरान बताया कि पारिवारिक विवाद के कारण उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

राजगीर में शिव मंदिर की दानपेटी तोड़कर चोरी, जांच में जुटी पुलिस

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर प्रखंड अंतर्गत बीआरसी कार्यालय के समीप दांगी धर्मशाला परिसर स्थित शिव मंदिर में अज्ञात चोरों ने दानपेटी तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। यह घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। मंगलवार सुबह मंदिर परिसर में टूटी दानपेटी देखे जाने के बाद इसकी सूचना स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रमन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा मंदिर परिसर में लगे बंद दूरदर्शन कैमरों की जांच की गई, जिसमें मुंह ढके हुए पांच युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दे रहे हैं। पुलिस इन चित्रों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब दो माह पूर्व भी इसी शिव मंदिर में चोरी की घटना घट चुकी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

हिलसा के पाँच परीक्षा केंद्रों पर 77 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

हिलसा (अपना नालंदा)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा के दौरान हिलसा अनुमंडल के पाँच परीक्षा केंद्रों पर कुल 77 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम पाली में रामबाबू उच्च विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र पर कुल 107 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 13 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं श्री चंद उदासीन महाविद्यालय में 784 में से 8 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। सरदार पटेल महाविद्यालय, हिलसा में 903 परीक्षार्थियों में से 7 अनुपस्थित पाए गए। मध्य विद्यालय मई में 885 में से 6 तथा मध्य विद्यालय गुलनी हैदरपुर में 369 में से 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

स्क्रीन की दुनिया में खोते बचपन: मोबाइल, गेम और सोशल मीडिया के जाल में फँसते बच्चे

अभिभावकों की भूमिका और समाधान—तकनीक से दूरी नहीं, संतुलन है ज़रूरी

(चंदन चौरसिया, पत्रकार एवं सामाजिक विषयों के विश्लेषक)

आज के दौर में बच्चों का बचपन तेज़ी से बदल रहा है। खिलौनों, मैदानों और दोस्तों की जगह मोबाइल स्क्रीन, ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया ने ले ली है। अख़बार में प्रकाशित यह रिपोर्ट इसी बदलते सच की ओर इशारा करती है, जहाँ बच्चे स्क्रीन की चमक में इतना डूब जाते हैं कि उन्हें समय, भूख, नींद और अपने आसपास की दुनिया का भी एहसास नहीं रहता। यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक गंभीर डिजिटल लत का रूप लेती जा रही है, जो बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रही है।

बढ़ती स्क्रीन टाइम एक खामोश खतरा : आज मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी मुख्य साधन बन चुके हैं। ऑनलाइन क्लास, वीडियो गेम, शॉर्ट वीडियो ऐप्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों को घंटों तक स्क्रीन से चिपकाए रखते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बच्चे रोज़ाना 4 से 6 घंटे तक मोबाइल पर समय बिता रहे हैं। यह आदत धीरे-धीरे लत में बदल जाती है, जहाँ मोबाइल न मिलने पर चिड़चिड़ापन, गुस्सा और बेचैनी साफ दिखाई देती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर : अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार स्क्रीन देखने से बच्चों में एकाग्रता की कमी, याददाश्त कमजोर होना, चिंता, अवसाद और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। ऑनलाइन गेम्स और सोशल मीडिया पर मिलने वाली त्वरित खुशी (त्वरित संतुष्टि) बच्चों को वास्तविक जीवन से दूर कर देती है। जब उन्हें असल जिंदगी में वही उत्तेजना नहीं मिलती, तो वे निराश और कुंठित महसूस करने लगते हैं।

शारीरिक समस्याएँ भी बढ़ीं : स्क्रीन की लत सिर्फ दिमाग तक सीमित नहीं रहती। बच्चों में आंखों की रोशनी कमजोर होना, सिरदर्द, गर्दन और पीठ दर्द, मोटापा और नींद की कमी जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। देर रात तक मोबाइल देखने की आदत बच्चों की नींद की गुणवत्ता को खराब करती है, जिससे उनका शारीरिक विकास प्रभावित होता है। डॉक्टरों का कहना है कि पर्याप्त नींद न मिलने से बच्चों की इम्युनिटी भी कमजोर हो सकती है।

व्यवहार में दिख रहा बदलाव : अख़बार की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्क्रीन की लत बच्चों के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला रही है। बच्चे ज़िद्दी, गुस्सैल और सामाजिक रूप से कटे-कटे से हो रहे हैं। परिवार के साथ समय बिताने, दोस्तों से बातचीत करने और बाहर खेलने में उनकी रुचि कम होती जा रही है। कई मामलों में बच्चे आक्रामक गेम्स से प्रभावित होकर हिंसक व्यवहार भी दिखाने लगते हैं, जो भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है।

सोशल मीडिया का दबाव : आज के बच्चे कम उम्र में ही सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। लाइक्स, फॉलोअर्स और कमेंट्स की दौड़ उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करती है। खुद की तुलना दूसरों से करना, सुंदर दिखने का दबाव और ऑनलाइन ट्रोलिंग बच्चों के मन पर गहरी छाप छोड़ती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह डिजिटल दबाव बच्चों में आत्मविश्वास की कमी और मानसिक तनाव को जन्म देता है।

अभिभावकों की भूमिका सबसे अहम : इस पूरी स्थिति में अभिभावकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। बच्चों को तकनीक से पूरी तरह दूर रखना संभव भी नहीं है और सही भी नहीं। ज़रूरत है संतुलन की। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नज़र रखनी चाहिए, उनके साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि वे ऑनलाइन क्या देख रहे हैं और किस तरह के गेम खेल रहे हैं। साथ ही, खुद भी मोबाइल का सीमित इस्तेमाल कर उदाहरण पेश करना ज़रूरी है।

समाधान और सही दिशा : विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय की जाए। रोज़ाना आउटडोर खेल, किताबें पढ़ने की आदत, रचनात्मक गतिविधियाँ और परिवार के साथ समय बिताना बच्चों को स्क्रीन की दुनिया से बाहर लाने में मदद कर सकता है। स्कूलों में भी डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम चलाकर बच्चों और अभिभावकों दोनों को इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जाना चाहिए।स्क्रीन तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन इसका असंतुलित और अत्यधिक उपयोग बच्चों के बचपन को निगल रहा है। ज़रूरत इस बात की है कि समय रहते इस खतरे को पहचाना जाए और बच्चों को डिजिटल दुनिया के साथ-साथ वास्तविक जीवन की खूबसूरती से भी जोड़ा जाए। तभी हम एक स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल पीढ़ी का निर्माण कर पाएंगे, जहाँ स्क्रीन साधन बने, बोझ नहीं।

चार श्रम कानूनों के विरोध में 12 फरवरी को हड़ताल, बैंक रहेंगे बंद

पटना (अपना नालंदा)। चार नए श्रम कानूनों, निजीकरण और मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी को देशभर में सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल आयोजित की जाएगी। ट्रेड यूनियनों का दावा है कि इस हड़ताल में लगभग 30 करोड़ से अधिक मजदूर और कर्मचारी भाग लेंगे, जो देश के इतिहास के सबसे बड़े सामूहिक आंदोलनों में शामिल होगी। ऑफ़ इंडिया एम्पलाई यूनियनके महासचिव प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि नए श्रम कानून लागू होने से बैंकिंग क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में कर्मचारियों की संगठित सौदेबाजी की शक्ति कमजोर होगी। उन्होंने बताया कि पहले हड़ताल की सूचना श्रम विभाग को 14 दिन पूर्व दी जाती थी, जिसे अब बढ़ाकर 60 दिन कर दिया गया है। इस अवधि के दौरान यदि प्रबंधन मनमाने ढंग से कर्मचारियों का स्थानांतरण करता है, तो उन्हें लंबे समय तक बिना वेतन के रहने की आशंका बनी रहती है, जिससे संगठनात्मक संघर्ष प्रभावित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि ट्रेड यूनियन की मान्यता के लिए न्यूनतम सदस्य संख्या 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। इससे छोटे और नए संगठनों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होगा और प्रबंधन केवल चुनिंदा संगठनों से ही वार्ता करेगा। इसके अलावा हड़ताल के लिए अनिवार्य सहमति, शिफ्ट-वाइज तथा रात्रिकालीन कार्य व्यवस्था जैसे प्रावधान वित्तीय क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों के कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव डालेंगे।

हड़ताल की प्रमुख मांगों में चारों लेबर कोड्स की वापसी, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, आउटसोर्सिंग व ठेका प्रथा पर रोक, बिजली क्षेत्र के निजीकरण का विरोध तथा कृषि एवं आयात-निर्यात समझौतों से स्थानीय खेती पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को रोकना शामिल है।

प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि यह हड़ताल केवल कर्मचारियों की नहीं, बल्कि मजदूरों, किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए एक व्यापक जन आंदोलन है, जिसे बैंकिंग, बीमा, डाक, बिजली, कोयला, परिवहन सहित कई क्षेत्रों का समर्थन प्राप्त है।

ब्रेन ट्यूमर: समय पर जांच और आधुनिक उपचार से बचाई जा सकती हैं अनमोल ज़िंदगियाँ

सुजीत कुमार,पटना (अपना नालंदा)। ब्रेन ट्यूमर एक गंभीर और जीवन को प्रभावित करने वाली बीमारी है, जिसकी समय पर पहचान और समुचित उपचार अत्यंत आवश्यक है। ब्रेन ट्यूमर दो प्रकार के होते हैं —सौम्य (बेनाइन) और घातक (मैलिग्नेंट)। दोनों ही स्थितियां गंभीर मानी जाती हैं। यह ट्यूमर मस्तिष्क के ऊतकों में सीधे विकसित हो सकते हैं अथवा शरीर के अन्य अंगों से फैलकर मस्तिष्क तक पहुंच सकते हैं। सौम्य ट्यूमर सामान्यतः धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जबकि घातक ट्यूमर तेजी से फैलकर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. रोहन सिन्हा के अनुसार लंबे समय तक रहने वाला सिरदर्द, बार-बार दौरे पड़ना, आंखों से धुंधला दिखना, याददाश्त का कमजोर होना, व्यवहार में अचानक बदलाव, चक्कर आना, संतुलन बिगड़ना तथा बच्चों में शारीरिक या शैक्षणिक विकास में गिरावट जैसे लक्षण ब्रेन ट्यूमर के चेतावनी संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि ब्रेन ट्यूमर की सटीक पहचान के लिए चुंबकीय अनुनाद जांच, कंप्यूटेड टोमोग्राफी जांच और ऊतक परीक्षण जैसी आधुनिक जांच विधियों का सहारा लिया जाता है। जांच के बाद ट्यूमर के प्रकार, आकार और मस्तिष्क में उसकी स्थिति के आधार पर उपचार की योजना बनाई जाती है। उपचार में शल्य चिकित्सा, विकिरण चिकित्सा, औषधीय उपचार तथा प्रतिरक्षा आधारित उपचार पद्धतियां अपनाई जाती हैं। आधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों की टीम और बहु-विषयक उपचार प्रणाली के कारण आज ब्रेन ट्यूमर के रोगियों की जीवन दर और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव हो सका है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता, समय पर जांच और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच ही इस गंभीर बीमारी से जीवन बचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

नई दिल्ली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तकनीकी भविष्य पर हुआ मंथन

सुजीत कुमार,पटना (अपना नालंदा)। देश की राजधानी नई दिल्ली में हाल ही में इंटरनेशनल एकेडमी के तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं यांत्रिक अधिगम विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश और विदेश से शिक्षा, तकनीक, अनुसंधान एवं नवाचार से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए।

सम्मेलन में संयुक्त अरब अमीरात से आए प्रख्यात विद्वान डॉ. सैयद अनवरबारी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने शहरी विकास, शिक्षा प्रणाली तथा सतत विकास के क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यांत्रिक अधिगम के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकें भविष्य के स्मार्ट नगरों के निर्माण और संतुलित विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डॉ. अनवरबारी ने कहा कि जो देश डिजिटल परिवर्तन को अपनाते हुए उन्नत तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, वही आने वाले समय में बुद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में उभरेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा और कौशल विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समुचित उपयोग युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

सम्मेलन के दौरान उनके विचारों को प्रतिभागियों ने गंभीरता से सुना और तकनीकी क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में सतत व्यवसाय और सतत शिक्षा जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि तकनीकी नवाचार को सामाजिक उत्तरदायित्व और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

आयोजकों ने सम्मेलन को सफल बताते हुए कहा कि इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन ज्ञान के आदान-प्रदान के साथ-साथ भविष्य की तकनीकी दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजगीर में छात्राओं हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण शुरू

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजगीर में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सुरक्षित जीवन के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य विवेक किशोर ने आत्मरक्षा प्रशिक्षक कुंदन कुमार का हरित पौधा भेंट कर स्वागत किया।

प्रशिक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। इससे बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है, वे अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग होती हैं और किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति से निपटने के लिए मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनती हैं। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को संकट की स्थिति में स्वयं की रक्षा करने के व्यावहारिक उपाय सिखाए जा रहे हैं। आत्मरक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत बालिकाओं को मुक्का मारना, पैर से प्रहार करना, वार रोकने की विधि, गला, हाथ, बाल और कंधे पकड़ने की स्थिति से स्वयं को छुड़ाने जैसे विभिन्न सुरक्षा उपायों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि यदि सड़क, सुनसान स्थान या किसी सार्वजनिक जगह पर छेड़छाड़ की स्थिति उत्पन्न हो, तो किस प्रकार साहस और सूझबूझ के साथ अपनी सुरक्षा की जा सकती है, इसकी जानकारी भी दी गई।

विद्यालय के प्राचार्य विवेक किशोर ने जानकारी देते हुए कहा कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब बालिकाएं हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा और आत्मरक्षा के लिए इस तरह के प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं।इस अवसर पर प्रशिक्षण की नोडल शिक्षिका नेहा शर्मा, खेल शिक्षक बिल्टन तथा प्रशिक्षक मो. तौशिफ खान भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।